फिनोलेक्स इंडस्ट्रीज–मुकुल माधव फाउंडेशनद्वारा आपातकाल में पैन इंडिया में राहतकार्य एवं मदद

पुणे : फिनोलेक्स इंडस्ट्रीज लिमिटेड और उनके सीएसआर पार्टनर मुकुल माधव फाउंडेशन द्वारा संकट की स्थिति में सबसे आगे रहा है. कमजोर समुदायों मदद देने के साथ कोरोना लड़ाई में अग्रिम पंक्ति के योद्धाओं की सहायता के लिए अथक प्रयास किया है. फाउंडेशन के वर्धापन दिवस के अवसर पर मैनिजिंग ट्रस्टी रितु प्रकाश छाबरिया ने यह जानकारी दी. फाउंडेशन के साथ जुड़े मेम्बर्स, कॉर्पोरेट डोनर्स, वॉलिंटियर्स व एनजीओ के सहकार्य से यह काम हम कर सके है, ऐसा भी छाबरिया ने बताया.

छाबरिया ने आगे कहा की, अन्नमित्र और विकास खन्ना फीड इंडिया के साथ मिलकर पूरे देश में एक लाख लोगों को पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराया. पुणे के बाहरी क्षेत्र में यात्रा कर रहे १३,००० प्रवासीयों को उनकी सुलभ यात्रा के लिए फुट वेयर और भोजन प्रदान कर मदद की गई. संगीतकार सलीम सुलेमान की पहल के तहत संस्था ज़रीया के साथ काम करते हुए राजस्थान में उन स्थानीय संगीतकारों की मदद की है जो इन दिनों अपनी आजीविका खो चुके है. पुणे में ट्रांसजेंडर समुदाय तक राशन को वितरित किया. साथही एचआईवी प्रभावित व्यक्तियों को रोजगार का अवसर प्रदान कर कपड़े के मास्क की सिलाई का कार्य दिया गया. एमएमएफ की हमेशा से व्यापक पहुंच रही है और देश भर में अतिसंवेदनशील समुदायों की मदद करने के लिए रास्ते तलाशने का सिलसिला जारी है.

पुणे शहर के अस्पतालों का जीवन रक्षक मित्र है, जहाँ उपकरण, सैनिटाइज़र, मास्क और पीपीई सूट की जरूरतों को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है. अग्रिम पंक्ति के योद्धा डॉक्टरों और नर्सी के प्रति आभार व्यक्त करने के लिए सुरक्षा किट अस्पतालों में भेजे जाते हैं. वेन्कीजद्वारा अस्पताल कैंटीन में एक लाख से अधिक अंडे का वितरण किया. एमएमएफ ने अन्य एन.जी.ओ. के साथ भागीदारी कर चक्रवात निसर्ग चक्रवात अम्फान और अब हाल ही में असम में आई बाढ़ के लगभग २०,००० पीड़ितों के बचाव के लिए सहायता की. मुख्यत : ईस्ट में अपने ग्राउंड पार्टनर रंगीन खिड़की का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ.

संकट से जूझते समय भी एमएमएफ ने अपनी मौजूदा परियोजनाओं पर से ध्यान नहीं हटाया. उन ९६० सेरेब्रल पाल्सी किशोरों की थेरेपी सहायतार्थ भी आगे आया, ताकि लॉकडाकन के दौरान उनकी चिकित्सा अप्रभावित रहे. ग्रामीण महाराष्ट्र में स्थानीय समाचार टीवी चैनल पर फिजियोथेरेपी और योग सत्र शुरू किए ताकि मरीज अपनी दिनचर्या को नियमित कर सकें. ६८० बच्चे जो मुकुल माधव विद्यालय घोलप, रत्नागिरि में पढ़ते है उन्हे शीघ्र ही ऑनलाइन कक्षाओं की सुविधा प्रदान की. १५० परिवारों को बीज और प्रशिक्षण प्रदान करके सतत मानवीयता का परिचय दिया जो नौकरी के अभाव में मुंबई से पालघर जिले में लौटे थे ताकि वे खेती के कार्यों में संलग्न हो सके और आत्मनिर्भर बन सके.इस महामारी के दौरान ही अशांत लद्दाख सीमा क्षेत्र की गैलवान घाटी – जिसमें २० बहादुर जवानों ने अपने जीवन का बलिदान दिया था , मुकुल माधव फाउंडेशन प्रत्येक परिवार के पास पहुंचा और आर्थिक सहायता प्रदान की । इसके अतिरिक्त , लॉक – डाऊन में लद्दाख क्षेत्र में पर्यटन प्रभावित होने के कारण महाबोधि इंटरनेशनल सेंटर , लद्दाख को उनकी जरूरतों को पूरा करने के लिए आर्थिक सहायता प्रदान की गई । हम जानते हैं कि वायरस की पकड़ जल्द ही कम नहीं होगी हम यह सुनिश्चित करने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं ताकि हम वैश्विक स्तर पर नागरिकों की सहायता कर सकें समय पर फंड जुटा सकें और जरूरतमंद लोगों की सहायता के लिए उपलब्ध हो सकें ।